श्रीलंका के संसदीय शिष्टमंडल के सम्मान में आयोजित भोज में माननीय अध्यक्ष का भाषण

श्रीलंका की संसद के माननीय अध्यक्ष महामहिम, श्री महिंदा यापा अभयवर्धने, श्रीलंका संसदीय शिष्टमंडल के गणमान्य सदस्यगण; देवियो और सज्जनो:

आयुबोवन, नमस्ते !

भारत की जनता, भारत की संसद और अपनी ओर से आप सभी भारत में स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आपकी यह यात्रा हमारे देशों के बीच सुदृढ़ मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों और सहयोग का प्रमाण है।

महामहिम, आपके इस दौरे से हमें भारत और श्रीलंका की जनता और सांसदों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को नया आयाम देने का एक और अवसर मिला है। मुझे विश्वास है कि आपकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच सार्थक चर्चा, विचारों के आदान-प्रदान और हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी।

भारत और श्रीलंका की जनता के बीच प्राचीन काल से ही सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। हाल के वर्षों में, हमारे संबंध राजनीतिक स्तर पर और घनिष्ठ हुए हैं। दोनों देशों के बीच और व्यापार और निवेश में वृद्धि हुई है। मुझे प्रसन्नता है कि शिक्षा, संस्कृति और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी हमारा सहयोग बढ़ा है।

इस प्रकार के संसदीय आदान-प्रदान लोकतान्त्रिक देशों के बीच सार्थक बातचीत का माध्यम बनते हैं और परस्पर समझ, सहयोग और मैत्री को और भी मजबूत करने में सहायक होते हैं।

संसदीय शिष्टमंडलों द्वारा एक-दूसरे के देशों का दौरा करने से ऐसे देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ता है।

मुझे आशा है कि महामहिम श्री महिंदा यापा अभयवर्धने जी के नेतृत्व में श्रीलंका के संसदीय शिष्टमण्डल की यह यात्रा भारत और श्रीलंका के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने में सहायक होगी।

———